

...न गदा लु... न ग विज्ञा...
...मृ न न न स न म न म न स न न न न
...न न न न न न न न न न न न न न न न
...न न न न न न न न न न न न न न न न
...न न न न न न न न न न न न न न न न
...न न न न न न न न न न न न न न न न
...न न न न न न न न न न न न न न न न

ASIAN ARCHIVES

1919

I

108

एनम सर्वज्ञानानकृयायकायाः कृत्तिकनकृयाः अग्निकृत्वादानवाह
 सडाः लोपसदृष्टा इवनिहय अस्मिन्निहय नृयर्षि ग्यानिहय स्वय
 वसगायाः कनकवडवाक सत्यवचन जाक कायमवाद्य गतिथव धर्मयोः
 यः बड भवा देवयडा पुत्रयडायाय दुंदयकदुय रिंवचन नायदचन
 न वाग नक्षमात्रिक वागवचन भूखी माक स वस रुतिनंनमवाय नृगवम
 ति रुता वसवाय काक वचननिति मिता इवम मिड नथी क वागवतिमिति

इह खड्गय ॥ गितावक्र कथावस दत्तावस साग स जवस मुनिस धर्ममदय
 क्रनिव देव भ यमुयाजत लेखदि मिथय कृतिव ॥ आकाव युवाक आदुइ
 धनिवाक बा द्वा ध धनिवाक वा ॥ धया अकावस रु दे यन को दय द ले या
 धिनक य साममन वायव द्रुय दे र को न कय मात्र म्पाय धन मय धात म्पाय
 मासाक वय मिखा म्पाय दे ज ० धका वनिव रिं गति माय धर्म सम ह्य खं व
 दे ० ० धनि नमि ० असा दे ० धया सा नि व रि वि य या ० साय ज ग्य या य दे
 ल्य वा न न द व य डा धि धि य डा धन य डा धर्म न अकावस ल्य न मात्र ॥ १ ॥

धनकालिका ॥ २३० ॥ रात्रि दीनक दशा रुति सात्रादन मान्वा जात
नागसत्त्व मियस्वान्ना श्राप्रादुत्ताव ग्यातिहय गदाप्रनायक सत्यकायक
वातपद्म पात्रिव कायमवाक्य द्वाष्टानवकय रागीहय द्वात्रसष्टव वास
वसन्तुस्य भविष्ययत्रस मामववृत्तवत्तयाक नियन्तर्गेद जामुसयव
लध्वन नमकात्रि ॥ श्रयातिस्तवद्वात्रसक्तुस जवस गवयागसद
य ॥ द्वात्रस वृहया यस्याजन रवा हिति मालकूया लडाहाश्रयि

न द्वात्रिव ॥ श्रादात्र यूवाकजा वादा ध कस्मि सामानययय ॥ अकाल
मृत्पद ॥ स्वातमानिव ॥ जामा कथगद कचुवयद ॥ गलवृत्तयाक वास
कचु यागयाक मावयाक कुनदाय विनदायद ३० खनखय वागनक
यद २५ सिमानकनिवद २० रुथावसद्यावहय धतिनमसितयाद २० श्रुतिन
हिय श्रादाद २० श्रियात्रसिय ॥ श्रयागानि ऊवजह वैलपूजा वलिविय
या ० यायवद्वाकाय कामावीपूजा धनतश्रकात्रमृत्पूना ॥ धनवाहितीया ॥

[illegible]

दुर्गिवाहागमस्य ॥ द्वावसंज्ञाकागनहया किंमि नव गा मसं वावसं ध्वं
 आहव द्दु धवि होव नयय ॥ ध्यायाग मावस्याक क्वदय ६ लाहान
 स्याक मसुवाग मासाक वागधूमि ॥ अकावमृ हृदं ४ मावस्याक शुनहा
 य वितहाय दं ४ थकावदावमित्त्वद ५ ॥ खनस्यायरुव सा मसन
 वायरुव दं २५ कवागानिमिति नम्रयवावहस्यसियरु दं ३० हाकन
 गमुनमीचकुरुव दं ५० गा मवव मायरुव दं ५५ समुद्यावहयाव

सिय धृतिनमसितसादं ८४ असादं ले १ यतनसिप ॥ अयाडयाय अग्निपृ
जाउलतउह वद्धाकाय द्वायववि पापयाय देयु विपुडा अतनगोक्ति
ममतिवयायथा ३ ॥ ६६ ॥ ७ ॥ अद्यानद्ध कया विवादान सन
याडात शिवासल गायरवात्र असाधदु खान वातवय वांवाकमिखो गडा
दुदखमहाक लोकनमान्याक वाकि वतनवाय वाडसवक विद्याम
यवावकसदुखि लिथीसूखी मनरि सविमिपेद ससिय वद्धिधन रुतिन

तमवाय अजातत्वाययय अत्राणि कुमनद ॥ ययातिलविद्रु गत्रसखा
वम उल्लस ७ लाम खयकम उअसदयव ॥ अग्वम अजातखा दिगिति
अनगकतक वम आरुत्रल धन ॥ आदोत्र कितकं २ नय गधनकत्र अ
थानय धयय ॥ ययाग्राग अकावम ह्ये ३ मात्र स्याक मोनययुदं ॥
विनदाय धनरुयुदं ॥ सिमानकमिव दं २० यागस्यायुदं २५ खोनेयाय
रुवदं ३० यात्रखानिव सानियातकत्रकयुदं ३० कस्याक ग्राग अयवा

वश्युः श्वेतनमसिगसादं न२ असादं लेथुनिनसिया॥ अथाडयाय अ
ग्रियूडा वेष्टवादात्रयूडा वद्धाकाय वलियूडा कमात्रीयूडा थ(यने
मानि॥ आडाया॥ ७॥ ६०॥ ७॥ श्यूनर्व सुनकेग्या यथावाहः
न दवजाग रुटिसत्व ग्यानिश्रय विरयनकेगद मनु विश्यामय गतिः
अत्र कुलाभक्षाद येगरिद धर्मयायव सूविमित्रद भद्रवसत लोकः
नसान्नायाक श्वयूमसकलस्यनेसिव देव गुव वाक्कुल वव माम

मान्ययाय दामलाय रुय राजसंवक वावखसदसि यवदेशसुखी क
 गानखसुमात्रिव शिष्यकाद् श्रयानिल घागस खवस गवस या ७
 स दयव ॥ कृष्णसकतिव दवयूडा ल डाहा वमु नानाउमु यस
 योउन धन ॥ ग्राहव दू कसि आदिन ययिवात्रया दं नयिव ॥ अका
 वमृत्त गानदी यानसाय दं उककवयव रुधिसकटिनरुवदं ५ सि
 मानकोगिनरुवद १५ खानवृयक सानवाय दं २० गामुयाद्यावह

यदं २८ थ कवनिवदं ३० २ कानयय प्राचै नक यदं ३३ गानियाग
 प्रागनसिम्बं ३४ २ यं कदयु धनं नमसितमा दं ४४ असादं ४५ थ
 गियाडयकात्र गानिक्रिया प्रकाविय वैष्णवादावदयकं ४६ अलअक
 अग्निपूजा वलिविय धनं नमसितमा दं ४७ असादं ४८ थ
 ॥ ॥ यथा नमः कृपाया यथुके प्रगवाहो न दंवजाग चालसत्त्व
 द्वा। सुखात्र असादाकृद्वान देवायायुहय मवदुखि आखत्रमय

धर्मसायू, वचनसिं, विद्यनकनद, रुतिनंगमवायू, तादाकनम, अमा
नमरात्र, कुं अयात्रमद, विद्यानमसं दुयू, सत्यमकाक, यं ह्याकमदुयय
मदु, खययय, कनागवयगस्याक, भ, खि, धक, सव, नानावीद्यासव
खात्रयकद, वनिजात्रय, दूय, दामदयकदुय, कनागसवकमात्रि
व, कनागयातिमिगिन, कुं तयंदुय, रुव ॥ धयातिल, खालस, गत्रस
उस, कुं कुं स, नादागस, दय ॥ धयाद्वयसखतिव, भ, नाख, यद्वग, अ

नेमदद्या ॥ आहार, यात्र, खार, पाद, दूद, धनि, धनिनययय ॥ अथया
त्राय अकारमसुखदं ॥ मिखा म्याय, यतक दयव, दं २ कोनययदं १० विन
दाय, वाधिनकय, यात म्यायदं २० अयत्रायदय, समुद्यात्रयदं २४ न
वडात्तनकयदं ३३ मिथिवरेनसियरुव, धतनसंसिगसादं १ २ असादं
नन असादं २२ थतिसियव ॥ अकारमसुख ड पकार थ(ध) ॥ ऊरुयाय, स
धि यात्रात्राद्रुतिविश। डल डरु, वेखये जायूजा, मदादवयूजा, दा

नयूयायाय, वलिविश, थथान अकारमसुखमायुन ॥ य, यथा नयूया
या ॥ ६ ॥ २० ॥ ७ ॥ अ(ध)मनयूया, को सगादान, वाकसजात
रुतिसन्व, नायूखात्र, असाहकूखात्र, संसिय, मिखा झाद, नऊमद, ध
मायायव, न्वाययय, लोकवगाव, नाय, कवागयानिमिहित ४४ खइय, मः
वयामिसात्रवम, दिनात्र, कवागखयूमाविव, लावमावतससखी, कोअ
नत्रक कयव, नकुतिइय, वारुइय, वगधिवमद, आखवसयू, पया:

कसंरुत्रयंमरु मान्याय मनुविद्यासय उथीनयमप्रीव उखमका
ममकात्रि यतिखरावाणि लचिक कयावम गवम युक्तम यूनीम यथ
कवमखनिव मत्रा दा वि हिति वनाकत्र स खान यति ॥ आदाव
कसि धवि साक धं कवमु धनत्रय ॥ अकात्रमहा प्रागदा खान
सक कुवयव खानसाक दं ॥ नववाधि गिरु रुयदं रेजे विनदायक
व अनेकरुयदं दं ३० सिमान खाननन कानिनीव वनम्युदं ३२ सा

नवाय ३० नमुद्यावहय खंयदं ४७ वाडारुय हाकरुय मवतनअयवा
त्रयाय ॥ यतिनमसिगसा दं १२ असादं २० यतिस्वानमा सवानसिय ॥ अ
कात्रमहय याडयकात्र यत्यताहा वदयक डित्रदयक थरुत्र वलिविय
काविय उवडाहयाय दानविय अकात्रमहयनिवावला ॥ १॥ - ३३ - ॥
मद्यनकरुया मदीवाहान वाकसजान कुसत्र नंडवक ववथव ख
हावाक कवागमदयक मरु इषिरुय कवागयेक सावित कायकाकद

यत्र वात्रकसद्विषि विषसखि, कुं श्रुयात्रयविव, थियत्रवत्रन हायूव, थिय
 मिहययत्र, हथयत्रसद्विष, कमकावि, नयसाक, सामवव्यागनन्याय, मं
 विद्यासयत्र, हथयय, आश्वयसय, कनूहाथय, थुनिस्रहाव ॥ गिल, द्धुथ
 स, गत्रम, धानस, गुधस, गुनिवाहाथस ॥ धयाकृष्वस, म, वाख, लोकजाश
 वन्त, मूनि, श्यासडाया, जानया ॥ आहाव, वा, हा, वि, यात्र, खाय, याद
 दूद, धवि, यय ॥ प्रागश्रुकावमृत्, वा, द, धानस्याय, दं, कधि, वाधि, दं, ज

नवयाधियं नत्राय दं, धानस्याक, निर्यत्रयसिय, दं, २, ज, हथयत्रसधावहस्य
 मृत्, थननमसिहसादं, ४०, श्रुसा, दं, १००, शिगवावानलि, शनिध्वत्रवात्रकूद
 शिय ॥ नूकावसृष्ट्याडयकाव, वनवाहावदयकं, यूजायाय, शिवदयकं
 यूजायाय, वक्राविय, जवजहूयाय, अग्निपूजा, दानवीय, वलिविय, थ
 (थनश्रुकावमृत्, ममावीव ॥ मद्ययायथा ॥ ८ ॥ ~~॥~~ ॥ ७ ॥
 पूर्वरा, गुडीनकगुया, लवकवाहन, मानूयाजाग, कूसल, ग्यानिहय, ल

यत्र स नायायुः सत्रमहिं आश्रयस्युः तज्जदुःखी वनजनजियः धनद
 युः मिश्रिदयः क्वाकनिमिः यत्र अरिचात्रकर्मयायुः दानयुः नायायुः मरि
 ययः स्वानसः स्यसः प्रमः मंत्रवल्वायययुः तमकाविः कवागस्यक्रमविदः
 श्रयानिलः गत्रमः घातमः जलमः अयनमः चंद्रमः यादमत्रमः दयव
 क्रनिवः रुमववः वाववः दवयूजाः तैखसधैः नाधकः ॥ वागसूकाः
 वसुह्युः दं २ तवव्याधिनकयुदं १२ यनकाययुः सानवायुदं १६ समुधा

वरुयात्रसियुः दं २७ सिमानकृनिनिवः सितायनिमिहिन रुयदयुव दं २८
 अं वयिनवागनकयुदं ३८ वागसायुः यनकदयुः यनिनमसितसा दं २९
 सादं ८१ धनमवागसा वनवानसियुः ॥ अकावसुह्यु याडयायः दववदयक
 वनदयकः दवदयकः यनिकर्मशाकावः ऊरुयायः शिवयूजाः वकाविय
 वलिवियः थ(धनअकावसुह्युनासइयुः ॥ पूर्वदुलिग्या ॥ ९ ॥ ॐ
 उगुहा रुलिनक्याः लाकावादानः मानुषाजानिः सामखः ग्यानिः साय

किं कृत्वा न द्वात्र वव वाक सक व क न वा व स गा व व नि आ ल श यू व दा
म द य क रू यू त गो यू द्वा त अ सा व यू द्वा त गो मु दाय स क न स यू द वा
य ति श य क वा न नि द्वा मा वि व यू य भ रि त्वा च त ड वा क यू द्वा क म शाय
धी त व व न द्वा य धी त व न म रि व स ड ड न य न द्वा वि रा य न स
मु द्वा वि द्वा म व त्रु द्वा व द्वा लो क व क न द्वा ध व का य म वा म द्वा द व द्वा
द द्वा य द्वा य म म व व यू द्वा य म निल वि द्वा क वा व स र व स व द्वा द्वा

द्वानिव । श्व । कि । रु ध म व स य । अ वा ग न द्वा । कि २ ख नि व । आ द्वा व
वा द्वा द्वा व मा ध वा क क सि व य ॥ अ वा व म व वा ग द्वा वा वा ग स
य व को न य यू य रु न पि द व पि त द न सा न वा य वि न द्वा य द्वा द्वा
न क य क ति न र व य वी द्वा ल श यू द्वा द्वा वा धि न क य द्वा द्वा द्वा व द्वा
र व मि सा यानि मि गि न ग रू य धू नि न म सि त सा द्वा ४ अ सा द्वा द्वा थू नि
न पि य । अ वा व म व य द्वा द्वा व य व य व य द्वा नि व अग्नि द्वा व

ज्ञाविद्य, लवजग्य, वलिविया। यथानगानि ॥ उग्ररुगुलिया ॥ १० ॥ ॐ ॥
रुसनरुगुग्या, किगिवादान, दंतजान, मंससुत्व, द्वासुखात्र, असावादु
खात्र, गगानिचुदयकहात्र, सायहि, नजदू, वत्रदू, लोकवसताव, सला
नाक, धर्मयायू, विशासत्र, येषाकंसदू, तमाकवमु, खानवमुसलो
रु, दानयायू, सत्रहि, मिखाद्वत्र, ग्याकमनमदू, वंतमहि, म, खि,
वसू, कनागखद्वमात्रिव, सूयूगकायदयू, विशासदू, त्वाययव, दौल

हात्र, द्रविश्य, नाजायाकंसवायायू, ल्याचमावलससुखि, सकगा
काजसखेवदू, वनिजालखलदू, ॥ निल, वाहास, कपात्रस, गुच्छस,
जत्रस, कुंकेस, ॐ नाहानस, दयूत्र, ॥ द्वावस, म, वाख, कि, हिगिखा
यर्धन, किमि, सत्र, सा, नाना, आलकात्र, थ(थद्व) निव, ॥ अकात्रमृह्य
नाग, दं, ना, यातम्यायू, दं, यातकादयू, विनकायू, कुनकायखुव,
दं, २३, पतकदयूत्र, गवयाधिनकयू, दं, ३२, हंतात्रसद्यात्र, दं, ४०, मू:

नपात्रावस्थाग्रुय दं ४७ कनागयानिमिगिनदूरवसाय वाउरुयम
नवासवननमात्रिव धूगिनमसितया दं ७० असात २ दं धूगिसिगियव ॥ अ
कात्रमहय्याडयकात्र अग्नियूडा लखयूडा लकाविया कगुयालव
लिविय धननगाकि ॥ हसुया ॥ ११ ॥ ७ ॥
विगुनकगुया दसखावाहन वाकसजान वाद्यसख हाकखात्र अ
साकादखात्र ग्यानीहय वलवाय वात्रकसदमि अजागहय क

सयागगवधनिव कनागयंकमात्रिव कायमयामदयदू मिहायानिमिगि
नदूरवहय भवउयवयारुयिव वनऊनदासदयक रुयिव मिहाह
प्रसांमिऊनथा अथहनमदयात्र दामरुयरुव मखूखसवादीहय
खूनखयावधनभाय भवनमात्ययाय आखत्रसय नयरुय अहका
त्रिहय खाययय चितधिवमद धनखरुव ॥ निल गत्रस खयागस
ऊत्रस नूगत्रस गुअस गुमिस दय ॥ दगवसखनिव वंगत्र दल ल

डादा नाना वगन वसु यनिखनिव ॥ आहव वा दा थ आदिन
यव ॥ अकावमसु वागदी वा ॥ आगसाय मिखासाय दूथसकवितय
दं ॥ २ गवक कुवय यतकादयव सिरुव दी ॥ सिमानकागिनवय सा
मसत्रायरुव दं ३ २ रुंगावमद्यात्ररुय यन्द्वागनकय दं ५ ० कुं
य कुं रुयं रुव कवनकय थगिनमसितसा दं १ १ थगिनमसितसावका
नानसिय ॥ अकावमसुया डयका व महादवयका अग्नियूजा जवजा

ग दानयनयाय वलिविय थगियादान अकावमसुमात्र ॥ धन विग
या ॥ १ २ ॥ १ ३ ॥ १ ७ ॥ स्वागिनकनया इविवादान देवजात मस
सख द्वासुखात्र असावादुखात्र वचनरिद्ध देवानथुव कम्मरिद्ध
दुषवात्ररुय मविमिवद् यवदं गधनमाय खनखयावधनमाय मि
रुवमामिसाथी खाखरुय तमकावी रुयकमजिव विरायनं वृद्ध
मानयाय उखमकाक इवात्ररुय मवयाकवगवगन कवागदा द्वा

मात्रिद्व. असाख्य ॥ अथातिल. गत्र स खालस. याकास. खातस. उच
स. कयालस. खयातस. थुतिमकुतामदय ॥ अगवय. रुससइया. अ
काससइया. रुतालत्वादा. जंगत्र. लडाहा. वथनवमु. यव्वन. खा
थुतिमकुता ॥ अहाहात्र. यवाकडा. इइधवि. धत्र. मग. मास. यादा.
थ. यात्र. खाय. कोकति. वाक. धतसत्रयइय ॥ अकात्रमृ. ल. प्राग
दंज. खालस. गत्रसककुवयुव. मिखासाय. खातसायदं १० वनयाय

वसायदं २५ सानयाय. खालइयदं ४५ खयाइयदयदं ६५ गमुघ
त्रइयइयात्रस. थुतिनमसितयादं ८५ असा १०१ दं थुतिनसिय. व. स
वान ॥ अकात्रमृ. ल. याडयकात्र. गिवयुजायाय. वलिविय. समसान
वलिविय. थथानजोति ॥ खानिया ॥ १३ ॥ ॥ ७ ॥ ॥
१ विजाघानकगया. खालवाहन. वाकसजान. वाघसख. अदुखाल.
असायाय. खात्र. रागी. न्यात्रमावलस. वनऊतलकय. सखकाक ॥

स्वयं वरत्राक वरनरिं अज्ञान कायकु म्भदय कत्रागस्वक्रम
पित्र नऊद गतिद वंमस्यो कदय व्याहावरिं मिजनइव मांमिसार्थ
विकानगाक सामवव व्यातकिव गुन्याक देवयाकें वस क्काअन
यकय वृद्धिथव सिमागयच्चव सा मंश वाल्लरुसिनयकय धनमा
वरुव मे रि वस नसाक वमु खानवमु वय वा आदिन वृद्धि
यु सैयहि दय देवयय थुनिसमाव ॥ तिलविद्रु कया लस खान

स स्वयानस नूगवस कंकुस उदुस यादस थर्तस कुथानसद
य ॥ द्दुग्वसखनिव वावव खा वृषि दूयकया अनेगवथन वरु
यव्वन थुति ॥ आहाव जा इदुधप्रिकफे साकरिदयय ॥ अकाव
म ह्यदंडा व्यातसाय सिखासाय कुनकाय दं २५ तववाधिनकय
विनकायसियरुव ववानकर्यदु दं ३५ खानव्यावसियरुव नास
लस्यनिव दं ५० कानयय ववति वय खानसाय थुति नमसिगसा

देहा असाहे १ धृति तसिय ॥ अकारमृत् उपाय ऊरुयाय वा प्रचि
आदृ मित्रिय वैद्यवादात्रयुजा माउदुय वक्राविय वलिविय धन
त अकारमृत् मूमात्र ॥ धनविनामया ॥ १४ ॥ ॐ ॥ ७ ॥
अनूत्रारन ऊरुया हेनवादानदवजात चत्रासत्र आदृखात्र असा
तायुखात्र ग्यानिशुय वचनरिं स्वरावरिं आखत्रसय सवरिं हे
लक्षात्र हमात्रसकात्र वचनवायुनतानं त्वात्रयकाद् विशासय

वृद्धयक धनदयकरुय असाधववमु भावकिव गार्निदय कवा
तयाक मावित्र कायकृयदयव वासत्रमनुसय गगश्रवदावनतान
मजाव हयक्षात्र मंखि धाक वय वाकवकवृत्तात्र रुटिनं तम
त्राय रुतिनकामत्र वृयकिं सखद ऊसकायक वचत्राक सशासना
यक ॥ गिल वादासऊत्रस कयात्रस वादाथस दय ॥ कनिव खि
थादा मंदावा नानाश्रुलीकात्र वंगवदाका खनिव ॥ आदात्र रिन

नकावनययय ॥ अकावमृ ए वाग दिनज वाज गत्रयग म्याय भासाक
वयु दं ४ द्यातम्याय वाधिनकचित्तदी ॥ सिमानकटिनरुदं ३ ० कुन
कायरुदं १० विनकायरुदं २५ यतकादयव द्यावश्य नमुनयावसि
यरुदं ४० सत्र किसि सा मण वाद्य धयेनिमोनमानका मादः
म्याय दं ५० ख्यारुय कुमिम्याय थानेनमसितसा दं ५० असा
थानिम्वातसा नकावा अरुमिकुसिय ॥ अकावमृ ए उपकाव निव

यूजा जलजग्य अग्नियूजा दावद्वि आहुतिविय नानाविधनयायः
वलिविय थानियादानशान्ति अकावमृ ए ॥ अन्वार ॥ १० ॥
॥ ७ ॥ ॥ अष्टनक्रुया कायलवादान वाकसजात यवा
सत्र नायखाल असादाकखाल ग्यानिहय सायत्रसतायाय वत्रनाक
रुतावसकाल वृद्धिधन स्वावयकाद् दखनात्र विद्यातसुखिरुय वि
द्यासयव गेऊ मायद्वि काशानक कयव धनदयित मिखाचिकि

ग्वत्र कत्रागस्वकासात्रिव असादाय सविमित्रद्वियनद रिंक
 मियाय खयमनरुय सत्रनेक मिसायानिमिकिनदखसय दू लू
 मान्यकाय अमानमरात्र न्वाययत्र रुगासि कुराग रुयमवात्र
 म्खि त्रस विद्यासमकृत्राय वृद्धियकोद कारचुद्धय ४ नमा
 यरु खनययरु मासठ पासेनतानेरुय मखखमवादि धूमिसका
 वमामिल गलम जलस कुकुस क्रसपागम खात्रम क्रकस ७

वाहागस थगस कुथायदय ॥ कनिव अनंगडनु अनगलं
 गत्र वयि किनि कनिव ॥ आदात्र खाय यान याद कस्किड्ड
 समरुं यय ॥ अकारम ह्यत्रागदं अत्राज गत्रपागस्याय यानस्याय
 द ॥ याधिनकय कुनदाय द ॥ १२ कलयाधिनकय द ॥ १० संयासम
 द्यात्ररुय मा मसन वायरुव इत्रनवयरुव एगुया रुयद य
 द २५ सिमानकनिनरु यमकादयरु द ३२ इगि नयात्रावस्या

[illegible]

ज्ञान, शिवासह। नायूखात् असावयूखात् वसतायाय मिगदय
 गतिदय कवागदाय मात्रित कायभायायकादय वृद्धि उयाय
 सत्र खकायकाव ग्यानि विद्यासय अमानमहात्र खाययव
 वागिहवकावनननमवाव धर्मयोय दक्षिस्वराव सरवीहयवी
 याग ववथत्र दवयूजाकाव वगमशि वाकि न्वाययव पुत्रगा
 वगित कवागमद समकात्रि मामववयागनखकाय वियनद य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय





शनवकय डय वास सविस्त्रिपइ धृतिस्त्रिपव ॥ गिल्ल वास
 नगवस वासस उवस खवस कंचस खावस धनस द्धुथय
 सदयुत ॥ कयसखतिव वाख समान दिनि कसययाम
 द्धक धूतमूग वगनवस धमसिक उव धूमिमन्य ॥ नयत्रि
 कसिक ॥ आलव समरु रुनकयय ध्वरु प्रवि केसि ॥ अ
 कावस ए वाग वाज दंज वागसाय मियासाय दंज सानवाय

रुव सिमानकटिन रु द रुज व वानकसा वसियरुव दं ३२ वागस
 यूजावनकनू गगुवनमावक रुव मसत वा यूदं ३६ रुगावसधा
 वरुयू वागसायू मासाकवयूव दं ७० खूनपहाद वाकावसियरुव
 धूमिनमपिनसा दं ७० धूमिनसियू ॥ वृकाव मसूया डयकाव स
 मसूयुकावनयूजा गिवयूजा याव श्रामयूजा नानापुकाव ॥ वरि
 चिय यामकुरुवलित्रिय श्वतनगानि ॥ मूलया ॥ १० ॥ ३३० ॥

[illegible]

हागिनिविशतद्वं आद्यातत्रक ॥ अत्र तिल आगस
 वादासकपात्रम नृगत्रम च्छेदकं ॥ अत्र अत्रमच्युतयदय
 क्रयसरवनिव रुसवव भेम सा लू आदा थूतिनन्या ॥ आदाव
 नादा थ कस्ति थूतिनम ॥ अकावमृत्त वाग दं अद्यागसाय वि
 नदाय दं १२ वत्रोनकयू सिमातकगिनिन दं २२ आगसाय येन
 कादयूव दं ३२ रुगावमद्यावहयू दं ४३ विनदाय येनकदय

दंजज खनचयू खन धात्रकंरु धूतिनमसितमा दंजज मूसा ले
ज धूतिमामसा दिनवातसिय ॥ मूकात्रमृष्या उयकात्र अग्निपूजा
धात्रक्षिआदूतिविय ये ह्यतादात्रपूजा वत्रिविय सकर्मादयकाः
व गाव द्वात्रवलिविय धूतिनगाति ॥ पूर्वाखाटया ॥ १८ ॥
रा ॥ ७ ॥ उगाधारन कृपया धात्रजिवादान मानमजातिमा
कत्रसुत्र कादूखात्र मूसागायखात्र धनदयू यत्रदोसूखी ला

कत्रसगाव आखत्रमयू षययू सदां मानकाय कत्रात्रमया
यू न्वायययू सदां गकति काअनत्रकहयू उयवास नमया
यू मखखस वादिशाद न्वायू दामखायरु धात्रकसगासन ती
पातससूखी वत्ररि कत्रातसूखेसात्रिव कायदयू स्वगात्राक वा
दात्रसमवौद मरि थायसव वासत्र मनुविद्यामयू दंरद
यू उखमकाक दानयायू जायहाव नूगत्रमरिद नमान स

खान प्रस कंठमधु वनिदालन सामसत्रदिय थुमिसकात्र ॥ नि
 लदयत्र वादास प्रादाथस गत्रस खात्रस कुं कुं स पादस थुम
 सच्छमयसदय ॥ कृतिव खायादवन कया अनगत्रस थुमिसन
 आदाव सकतास यात्र खाय पाद धवि कसि नय ॥ अकात्र
 नमृत्प्राग प्राददं ज्ञानसाय कुनकाय सा मसन कय
 दं ॥ ४ गत्रवाधि अत्रविन प्रोग दं ॥ ५ दतात्रसिय दं २५

दा४

दाल प्रागतसिय दं २२ सिमानकातिनिव दं ३२ खयाकय खान
 यय दं ५० दतात्रसवत्रा नकया त्रसिय थुमिनमसितसा दं ९५
 थुमिसागमा नक्षुवानसिय ॥ अकात्रमृत्पकात्र निवयुजा
 अत्रियुजा वलिउयकात्र विविगमालयत्रयताका सहित गा
 महानसवलिविय ॥ खसकय ॥ ५ गायाटया ॥ १९ ॥ ॥
 घवलीनकयया नत्रवादानदं तजाग माकत्रसत्र वादखात्र

ग्यानिहय स्वसात्राक वसतायाय विद शसखीधनदय स्वावद
दय धर्मवैत वात्रकसदखि लिथिमखि आखवसय मान्य
काय कत्रातस्यक सात्रिव कायमीतादयव सवयाकवात
याकत्रस तसताहाक कवृक्षध्वर दवयूजाह्वाव वाजसंव
क कुल पययय वनिजालहय यत्रदशहयह्वायव
धृतिमनव ॥ तिल गवस खागस कसयतस जवस वाकास

वादायम कुंकुम पादस थातस कुतासदय ॥ धननिव स स्वा
दिनि युतिखनिव ॥ आदात्र वादा वि कसि स्वाय पात्र पाः
दु धं धनैवमुययय ॥ अकालमृत्पदं ४ ना ४ दू ४ ककुवा
मिनकय यतकदयव कुनदाय दं गुहदापन वागइय दं २
वातस्याय यतकयवदं २० मिसायात्रिमिहित समुद्यात्रइयदं २५
गिमातकगितिव गोत्रवायव दं ३० आल वातस्यायसिय

रुर्द ४० खानयय, मानयय द ५० डालवाग, यंगकदय, वा
नम्याय, थुनिनमेसितसा द २० असाद १०० थुनिम्वानसा नकुवा
नसिय, अकात्रमृषयाडयकात्र, ऊरूयाय, गानकिम्राफुति
विय, वलिविय, त्रंगकसिमास, पित्राप्रसिमास, देवित्रसिमास
देवदानुसिमास, धजायादाव, गानकिमृद्यविय, धननअका
त्रमृषुनाडा ॥ शुवदाया ॥ २० ॥ ॐ ॥ ७ ॥

धनमृनकृणया, वा आठवादान, वाकसजाग, सिंदमत्र, द्वास
खात्र, असावादुखान, धधनमत्रगत्रिभ, लोकवगाव, वचनकी
द, त्रियामित्राययत्र, तादात्रतम, वात्रकसदुषि, त्रिधामखी
काग, मनुत्रिद्यामय, पुदगासखी, ग्यानि, थवऊनयकाद
कवागस्रफुमानित्र, कायमत्रादय, वृद्धिथम, सत्यकाक,
म, ख, वस, क, सलन्नीद, निपूतद, काय्याय, भवयाका

उद्यानशय कयातगीत्रमसद उद्यासनयान धर्मयाय दान
यायवसे धर्मस्वराव ॥ गिल उत्रसः कासशाम यत्रीस क
कस पा०म गुप्रस द्यातस योतेसकृदिन क्षेतिव
मकृत् दिनादिनामुमात्रयडाया कयातवनापवादा अ
नग गिऊल कीग अर्जगयथन थतिष्कनि ॥ आकाश या दा
धनि धील आक धर्मयय ॥ अकात्रम लु प्राग दे २ रा २ खा

वसक वृक्ष डालनकय द्यातस्याय दे २ तावयाधि मात्रस्या
य खानवेद १४ वनत्रयारुय दे ३० द्यातसम्वउयउयाग न
वप्रागशय दे ३० सवनमखशाय डीक यारुयद थतिनमसिगः
सादेर ० असादेर ० थतिनसिय ॥ अकालम लुयाडयकाल नाना
यवात्रदयकं मुकपिसात्रवतिविश यंत्रयहात्रदयकं उरुय
डा दानयाय दानयाय सिमापिय वादानविश गनयक मतः

क. राजा. ली. गालक. थूतिखन्पा. नयविना. यवाकजा. वाकूइइ.
धवि. वा. दा. याद. यात्र. खाय. चित्र. यय. ॥ वाग. अ. का. व. म. स.
कू. चार. वा. र. धू. थ. स. क. कु. व. य. द. न. मि. खा. सा. य. द. र. द्या. न. सा. य. क.
न. य. य. द. १२. मी. खा. सा. य. के. कु. व. य. द. १०. य. न. क. द. य. व. द. २०. ख. न.
घा. न. क. य. व. ग. व. ध्या. धि. इ. य. द. २५. म. व. न. म. ख. या. य. व. सि. य. इ. न. ग. व.
सा. य. सा. य. द्या. न. सा. य. द. ३०. म. व. न. म. ख. या. दा. व. सि. य. ४५. ख. या. रु.

य. द. ५०. न. नि. या. न. क. व. सा. क. वा. य. थू. ति. न. म. सि. न. सा. द. र. ५५. थू. ति. म्वा. न. सा.
य. न. न. न. सि. य. ॥ अ. का. व. म. स. या. ड. या. य. धि. वा. ग. अ. य. सि. व. र. ग. न. व.
क. थ. थू. ति. सि. न. अ. नि. य. ड. या. य. वे. त्या. दि. य. ड. या. य. ना. ना. रु. न. य. ५.
जा. व. लि. वि. य. थू. ति. न. सा. नि. ॥ ग. न. रि. से. या. ॥ २२ ॥ २४५ ॥ ७ ॥
य. व. रु. ड. न. क. रु. यो. क. य. ति. वा. दा. न. मा. न. स्या. जा. नि. न. व. व. स. ख. ना. य.
खा. न. अ. सा. धा. दा. खा. व. मि. ख. न. व. ग. व. व. ध. म्म. स. व. स. ग्या. नि. स. व. ड. न.

अथाकमनिव गा मुसय वियतद निपुनद विदहा सुखी वा
प्रकसदुखी सयान इव ल्वाययय स्वयलि सत्यकाक नामदय
केरु केवागस्वकमात्रिव कायमाचोदयव वनिजात्र विशासय
लक्ष्मीदु सं खानसत्रय म शि त्रस ल्वाचयकेरु मंत्रयाक वाग
गाक वीत कोयकाय नाययव वावाहा योगमलि गुद दव
यूजात्रम स्वरात्रधुनि ॥ गित नूगलस स्वागस वकोस वाहास

अत्रम सुखस उवाहागस धनसचुथायसदय ॥ अत्रनिव नाना
थयसइया वावाव अनगवमुसया अनगामु खा लेख नाना
अनु जानया धुनिखनि ॥ आहात्र ब्रवाकजा वाक धनिदइ
वा दा यात्र यादु वाय धुनियय ॥ अकात्रमृ लुवाग वा ८ मि
खा म्माय दं न मिखा म्माय कनयय दं ले कत्रवत्रनिहाय दं १०
वाग म्माय दं २५ इनिपातकत्र दं ३१ रुगात्रमद्यात्रइय दं ४० य

सनदिवावसियु दी०० धामस्यायु धूमि नमसि नमा दी०० असा
दी०० धूमि नमसि नमा यन नानसियु ॥ अक्रात्रमृत्पुयाडयकात्र अग्नि
पूजायाय वैष्णवपूजायाय नानापकात्रनवलियुजा उत्रउग्य अ
द्ययाय धूमि नमो नमि ॥ पूर्व रुडया ॥ २३ ॥ ॥ ७ ॥
उउरुडनरुगया कथमिवोहान मानुषजाति सिद्धसत्त्व द्वासरवा
त्र असा नमो यस्वात्र ग्यानीइय धर्मसु मिखाकि मिथउद्विधिध्र द्वाग

वधिक सातग्वत्राक द्वागवध्र वागवय वाहाद्वत्र सत्र(थक
धनदयव सकलजनश्रयार्कवयव देवयुजात्रम दानशाय समसुखन
मानायायव सामुसवयपुतिनरुग खयकद नमाक मत्वा नत्रम ध
दस्यनिसीक रुवडिव लम्बीइ येनकाक यसनवककय अरुका
यी दुखवात्र विदगसुखी कवागवध्रमावीव कायकाद्व मादय
व खययय इलत्वायय विरायनेसीरुध धूमि नमो नमि मिल

ब्राह्मसु अत्रसु ब्राह्मथसु गत्रसु ऋक्सु वक्सु यजुसु कथयसु
दय ॥ कृनिव स्वादिति यषत्रि अनग खान अग्निदात्रा दवय
जा ऋत्रा किसि हात्र खिया रुथअत्र वि थमि मन्या आदात्र जा
ना स्वा उयवयडा वलुडु सवात्रइवमयव वात्र यादु
खायु याक मसावमुयव ॥ अकात्रमृष्यत्राग दं नत्रा न खा न म्या
यु ऋत्र अत्रसत्राग वात्राग नमिय दं १२ मान वायु उथिस :

कृमिनिव दं २० कक्कयाधि दं २० वि नदायु दत्त असात्राग
सन्निवाग दं ३२ संग्रामसद्यात्रइय दं ० मसन वायु थमिनमसित
सा दं ० ३ असा दं ० ६ थमिन्वाग मायनत्रा नमिय ॥ अकात्रमृष्य
याडयाय नानायकात्रनमहादवयुजा जहूयुजा १०२ आदू
मिविय वलिविय थथानखरुइय ॥ उग्ररुडया ॥ २४ वा
॥ १२ वमिनकृया यकवाहनदवजाग किसि

सत्त्व स्रक्सात्र असाक्षादुखात्र मर्तदाय श्रमायादस्यंतिस्मं क
र्तुवञ्जित आखत्रमय ग्यानि धर्मवत् सकगाश्रमिय सिद्धा ल
दुष्प्रमय सकत्रलोकयाग श्रियकावविय दवयुजात्रसे नृगत्रः
शि शिदोवृषिदय ववदात्रमथाद लोकवगाव तमयात्रदा
व वावविययय दुखत्रात्र वीपतसूखीरुयव यमूनवककय
व मुमिनकाक इवावइय लविद्यासय यत्राकमथव शक्ति

नंगमत्राय कवागखदसात्रिव कायगत्रकदय दैलंद जागर्त
दू मं खि त्रम त्रियाकडागीरुवनइय धनसूखाव गिल वादा
म नृगत्रस वादास वागस ऊत्रस यूवीस गुञ्जस वादाथस
खालस गत्रस थतिसकथयसदयव ॥ कनिव थमयादाक
म नामयात्रयादा दतात्र नायितवदा देवयुजा वाडा थथा
कन्य ॥ नयचिन्ता यूवाकंजा इइ धनि वाक दैल वा दा

१०१
 मंग यात्र खाय थ थुनित्रस ॥ अकात्रमसुवाग वाट दिर क
 कवयवखात्रस यातम्याय दं न मान याय दं २० खानवाय सिमा
 नकटिनिव दं ३२ संयामसघात्र दं ३० मंत्रनमसुवाय वागक
 व नगवसाक सनुघात्रइय थुनिनमसितमादं १० यनत्राय
 तिसिकुद्रसिय ॥ अकात्रमसुवायडयकात्र समसुकात्रन वैरा
 वाहात्रयुजायाय अर्थविय उरुयाय दीत्र विद्याधरवाक

तिविय थय नशानि ॥ वरगीनद्वयया ॥ २५ ॥ ॐ ॥ ७ ॥
 अथिनीनद्वयया वाववाहन दवजान सवजत्व द्वासुखान
 उध्वर गहामनायक साशावाक सायत्रमगायाय थवद्वयमा
 वकैद्वव आसा धनथित्रइय ददामदयित दधिरुय सास्यर
 विद्यामसुखीइय आयद्वायव मनुविद्यामय सामुसय वरवाक
 विदगसुखी लखस सुत्र वाजस्यवाय वनिजात्रइय मुनिनकाक

वाचयिष्यमहव मिखाहिठ गुत्रमानवय सकवमर्न मा न्यायाय
न्याययव यत्वावकमरु दववाकृती गुत्रयूजावम विगणरु मि
मायाधनमरा रु कवागमियरुव नगवमहिठ खनखय सवलि
रु कवागयकसावित्र मूमाकाक कायमायादय उरुमरुक
सिमागयसय सवावथुति ॥ मिल नाहवास वावम उवम ग
वम सपागम थुति स कथयसदय ॥ कतिव दवसंगाम

अनमयंगव मकावा रिथाका अकथमका कवा खान गव
महा ल डाहा वमु लकाव यथा कन्यव ॥ नयविना वा
का डा याव खाय वाक मसा धवि लि नक नय ॥ अकावमए
वाग दैर यतकादयव दैर क कवय दैर कव वाधि दैर
यकादयावसिरु दैर उ विनकाय रुगावमयाव दैर उरु जाल वाग
यगकदयव दैर उ मिमायानिमिनि न स मुचावदय दैर उ स

द्यावमहादासश्च ॥ ३० ॥ द्यावमहादासश्च ॥ ३० ॥ द्यावमहादासश्च ॥ ३० ॥
मिनमसितसादं नडा असा ॥ ० ॥ थुतिम्वामसा कतिनियुनिसिक्कूमियु ॥
अकावमत्तयाडयकाव ॥ १० ॥ सुकाकादयक वेत्तुकावयूजायाय
ऊत्रजागयूजायाय सर्वयकावतलितयूजा ॥ १० ॥ पूजायाय वलि
विय थयायादानगान्ति ॥ अविनीया ॥ २० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
रवृषीनकृया थंगवादान मन्यकाग किणिसत्त द्वासुखाव

असावाहस्त्राव असागाय नडाद वनवाक वावकसववनवायव
मायवमगायाय वृद्धिमद थमयथाक्कव रुकवक वाहि वसिमलि
मिखासलि ववनमलि सवमद गारुकायमद दाविडइय धनमा
य कुरुवमाय कवागवक्कमावीव कायमायामद कवागववाय
रु द्वासामद नगवमलि विदललसुखी वाजसवक वनिजाव
इय विपगसुखीइय ववववनइय याययायव द्वाययव

खययत्र सुत्रममादत्र वृत्तकयाकमखकर्मयाय स्वावयकादय
थात्रमइ मान्ययाय लेखसकाय सिमागयसत्र चत्रवायात्रयाय का
यसचंगतत्र विद्यमनक धूमिलरात्र ॥ तिल दूधस दगालस द्या
गस जलस पूरस वादास चंद्रस खरस ७ वादाथस थनिसदु
थायसदयव ॥ कानित वंख भालक्या म खा वि गभद मस वा
जा राजनया दिगादिगयु मवपंकया आकागलशया धूमिलन

नयचिन्ता राजा वा पात्र स्वाय धं ससावसा यवाकडा धवि
म्वत्रइ इइ धूमियय ॥ अकात्रमसु प्रागइय वा १० मववाधिनक
य द १० द्यागम्याय द १० विनकाय द २० जोजात्रवा तस्याय द ३२
वमानकय मूनद्यात्रकडव द ३० द्यागम्याक प्राग धूमिलन मसिग
सा द १०३ धूमिलमसा कायमानसिय ॥ अकात्रमसु प्रागइय
तानासा मसि दयक युजायाय वैखवादात्र जत्रजागयाय धिवा

गन्धक वेकं० नानादृदि स स्नान दयका व ऊरु याय दाय
 वि आदृतिठिय विधनथी नानाय कावत वलिविय ग्रामः
 दाव सवतिविया थनिन लाति ॥ रुद्राननकुरु या थनि ॥ २५ ॥
 वृत्तिन कुरुमात्रासं युक्तु समाफ ॥ ॥ गुरु ॥ सन्त २००
 दावु धाकुरु नका दिकुरु वं कुरु ददयवामयात वास्यति
 या आदिषु सयादथा ॥ ॥ डिवस डिव कुरु याया ॥ गुरु ॥

निरुक्कम्
 रुक् ॥ ३१ ॥ त ति व
 प व ॥ ३२ ॥ रु रु दु
 ज नू ना व ॥ आदिवा
 व नू व ॥ वृह स्य ति वा
 रुक् ॥ ३३ ॥ व ति

क का काय ति
 ज ॥ ३४ ॥ व
 ज नू ना व
 न व ति
 आदिवा
 वृह स्य ति वा
 साम वा न

इतमी स योय ॥ इतव कया रवी द्वाय ॥ नक स जादि न
न लो ग या दान क ठ न ॥ म सी वा स दय ॥ मी ज स म द
मिरवा स म न ॥ इ थ स म न ॥ वा हा स म द ॥ इ थ स म व ठ ॥
पा ना हा त स म व ठ ॥ नू गा ज स म न ॥ थ द स म व ठ ॥ थ द
स म द ॥ पा ज स म द ॥ क व न र व व व नि व द ॥
थ ति व य व न का व ॥ व द स न थ य ॥ इ ज सी ॥ थ व न क ठ

या क या इ ज स य द ॥ थ व न क ठ मी ज स जा त सा ॥ आय व
दि इ ल ता मी यि व द ॥ मिरवा स जा त सा ॥ प लु व द य न
ना सा म स य द ॥ इ थ स जा त सा ॥ ना ना लो ग इ ल
ज न ग व य न य त यि व द ॥ वा हा स जा सा ॥
ति व न न क ॥ इ थि व द ॥ व र या स जा त सा ॥ ला य म द
यि व ॥ इ री इ थि व द ॥ वा ना हा थ स जा त सा ॥ म व य
व म स ॥ र वा सी ॥ व र व र न ॥ र व य व यि व द ॥